हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 26 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

विकासखण्ड स्तर पर शिविर आयोजन के निर्देश जारी

मण्डला। कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग मंडला श्रीमती वंदना गुप्ता द्वारा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को विकासखण्ड स्तर पर शिविर आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार विभाग में कार्यरत सेवा निवृत्त एवं मृत कर्मचारियों के लंबित स्वत्व संबंधी प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए आगामी माह प्रत्येक शनिवार को संबंधित विकासखण्डों में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में सेवा निवृत्त एवं मृत कर्मचारियों के आश्रित परिवारों से जुड़े प्रकरणों जैसे वेतन, मजदूरी, पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, जीपीएफ, समूह बीमा, अनुकम्पा नियुक्ति सहित अन्य लंबित मामलों का निराकरण किया जाएगा। आदेश में प्रत्येक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए शिविर आयोजन, आवेदन पंजी संधारण, लंबित प्रकरणों की समीक्षा, आवश्यक दस्तावेज संकलन तथा संबंधित कार्यालयों से समन्वय स्थापित कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गंभीर एवं विशेष प्रकरणों की जानकारी तत्काल जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने तथा शिविर की प्रतिवेदन रिपोर्ट अगले कार्य दिवस में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि शिविर आयोजन में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगे।

नए सत्र से पहले भी नहीं शुरू हुए मरम्मत और निर्माण कार्य

जर्जर भवनों, तिरपाल और आंगनबाड़ी में चलेंगे स्कूल?

*** शिक्षा विभाग पर उठे सवाल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने में अब महज 15 से 20 दिन शेष हैं, लेकिन कई सरकारी स्कूलों में अब तक भवन निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं। ऐसे में एक बार फिर आशंका गहराने लगी है कि जिले के अनेक स्कूलों के बच्चों को जर्जर भवनों, तिरपाल के नीचे, खुले मैदानों अथवा आंगनबाड़ी केंद्रों में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर होना पड़ सकता है।

जानकारी के अनुसार जिले के कई शाला भवनों की मरम्मत एवं नए भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत होने के बावजूद संबंधित कार्य प्रारंभ नहीं किए गए हैं। यदि विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान निर्माण और मरम्मत कार्य शुरू कराए जाते, तो नए सत्र से पहले बच्चों को बेहतर और सुरक्षित व्यवस्था मिल सकती थी। लेकिन विभागीय उदासीनता के चलते हालात अब भी जस के तस बने हुए हैं।

मण्डला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलपुरा के पोषक ग्राम बुजबुजिया में लगभग 10 से 12 वर्ष पूर्व नए स्कूल भवन के लिए राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन आज तक भवन निर्माण पूरा नहीं हो सका। मामला मीडिया में आने के बाद जिला शिक्षा केंद्र द्वारा संबंधित भवन को विभागीय पोर्टल से ही विलोपित कर दिया गया, जिसे गंभीर लापरवाही माना जा रहा है।

बाद में इसी वर्ष जर्जर भवन की मरम्मत के लिए राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से राशि स्वीकृत कराई गई, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं हुआ। भवन की हालत इतनी खराब है कि पिछले सत्र में बच्चों की पढ़ाई खुले मैदान में तिरपाल और झोपड़ीनुमा व्यवस्था के बीच कराई गई। अब ग्रामीणों और अभिभावकों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या इस सत्र में भी बच्चों को इसी स्थिति में पढ़ाई करनी पड़ेगी?

इसी प्रकार ग्राम पंचायत छपरी सिलपुरी के पोषक ग्राम धनगांव रैयत में स्कूल भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। गांव में वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने के कारण पिछले सत्र में स्कूल का संचालन अधूरे किचिन शेड में तिरपाल लगाकर किया गया। बताया जा रहा है कि अब तक विभाग द्वारा इस संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

वहीं ग्राम पंचायत देवगांव के पोषक ग्राम तलैया टोला में स्कूल भवन स्वीकृत होने की जानकारी है, लेकिन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ। पिछले सत्र में यहां बच्चों की पढ़ाई खुले मैदान में कराई गई थी।

ग्राम पंचायत खुड़िया के पोषक ग्राम कटंगा टोला तथा बम्हनी बंजर के हरदहा वार्ड में भी पिछले सत्र के दौरान स्कूल जर्जर भवनों में संचालित होते रहे। वहीं ग्राम पंचायत उमरिया के पोषक ग्राम कोसम डोगरी में स्कूल का संचालन आंगनबाड़ी केंद्र में किया जा रहा है।

यदि केवल मण्डला विकासखंड की स्थिति ऐसी है, तो पूरे जिले के हालात का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा विभाग बच्चों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है।

स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने जिला शिक्षा केंद्र से सवाल किया है कि आगामी शैक्षणिक सत्र में ऐसे स्कूलों के संचालन के लिए क्या ठोस व्यवस्था की जा रही है? बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभाग आखिर कब गंभीर कदम उठाएगा?

क्षेत्रवासियों ने नवागत कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे से मांग की है कि नए सत्र के शुरू होने से पहले जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत एवं नए भवनों के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराए जाएं। साथ ही जिन स्कूलों के भवन अत्यधिक जर्जर हैं, वहां बच्चों के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु जिला शिक्षा केंद्र को आवश्यक निर्देश दिए

रीवा हादसे के विरोध में निवास में निकली विशाल मौन अहिंसा रैली

*** जैन समाज ने साधु-संतों की सुरक्षा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग उठाई।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

रीवा में हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो जैन माताजी के असमय निधन एवं एक माताजी के घायल होने की घटना के विरोध में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा निवास नगर में विशाल मौन अहिंसा रैली निकाली गई।

मौन रैली का शुभारंभ श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से हुआ, जिसमें समाज के वरिष्ठ जन, पदाधिकारी, महिलाएं, युवा एवं बड़ी संख्या में बच्चे शामिल रहे। सभी ने मौन रहकर दिवंगत माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की और साधु-संतों व साध्वियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को मजबूती से रखा।

रैली मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर बाजार चौक, बस स्टैंड और तहसील मार्ग होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां जैन समाज के प्रतिनिधियों ने तहसीलदार को राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि घटना के दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में साधु-साध्वियों की सुरक्षा के लिए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं।

समाजजनों ने कहा कि साधु-संत भारतीय संस्कृति और जैन धर्म की अमूल्य धरोहर हैं, जिनकी सुरक्षा केवल समाज ही नहीं बल्कि शासन-प्रशासन की भी जिम्मेदारी है।

पड़रिया पंचायत में सीसी रोड निर्माण पर उठे सवाल

*** लाखों खर्च के बावजूद गुणवत्ता पर चर्चा तेज, भुगतान प्रक्रिया पर भी ग्रामीणों ने जताई आपत्ति।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया में महिला बाल विकास केंद्र से लोक सेवा केंद्र तक निर्मित सीसी रोड निर्माण कार्य इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। लगभग 4 लाख 62 हजार रुपये की लागत से निर्मित इस सड़क को लेकर ग्रामीणों ने गुणवत्ता और भुगतान प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार कार्य का नाम "महिला बाल विकास केंद्र से लोक सेवा केंद्र तक सीसी रोड निर्माण" दर्ज है। निर्माण कार्य पंचायत राज संचालनालय के अंतर्गत ग्राम पंचायत एजेंसी द्वारा कराया गया था, जिसे वर्ष 2025 में प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई थी।

दस्तावेजों में दर्ज भुगतान विवरण के मुताबिक निर्माण कार्य के लिए विभिन्न किश्तों में राशि जारी की गई। वहीं ग्रामीणों एवं सूत्रों का आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य मशीनों के माध्यम से जल्दबाजी में कराया गया और निर्माण प्रक्रिया में आवश्यक निगरानी नहीं बरती गई। आरोप यह भी है कि अधिकांश भुगतान एक ही फर्म के बिलों के माध्यम से लगभग 4 लाख 56 हजार 900 रुपये तक आहरित कर लिया गया, जबकि मजदूरी भुगतान का स्पष्ट विवरण दस्तावेजों में दिखाई नहीं देता।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं रही। साथ ही निर्माण सामग्री की लेब टेस्टिंग भी नहीं कराई गई, जिससे सड़क की मजबूती और निर्माण स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क अपेक्षित गुणवत्ता की नहीं बन सकी। सूत्रों के अनुसार वर्ष 2025 में पंचायत द्वारा लगभग 4 से 5 सीसी रोडों का निर्माण कराया गया, जिनकी कुल लागत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है। ग्रामीणों का दावा है कि इनमें से कई सड़कें एक वर्ष के भीतर ही क्षतिग्रस्त होने लगी हैं। मामले में सरपंच, सचिव, उपयंत्री एवं ठेकेदार की मिलीभगत से सरकारी राशि के दुरुपयोग के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, भुगतान प्रक्रिया की समीक्षा तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांच कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराता है या मामला केवल चर्चाओं तक सीमित रह जाता है।

मण्डला में मध्य प्रदेश फुटबॉल एकेडमी चयन ट्रायल्स, 26 व 27 मई को.....

मण्डला। मंडला के युवा खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच जिले के प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ (MPFA) के निर्देशानुसार जिला फुटबॉल संघ मण्डला (DFA Mandla) द्वारा मध्य प्रदेश फुटबॉल एकेडमी चयन ट्रायल्स–2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह ट्रायल्स 26 एवं 27 मई 2026 को महात्मा गांधी स्टेडियम मण्डला में आयोजित होंगे। ट्रायल्स में U-8 से U-18 आयु वर्ग तक के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। चयन प्रक्रिया प्रतिदिन शाम 4 बजे से प्रारंभ होगी। खिलाड़ियों का चयन मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा नियुक्त अनुभवी प्रशिक्षक आशीष पिल्ले एवं स्वपन कुमार विश्वास द्वारा किया जाएगा। जिला फुटबॉल संघ मण्डला के पदाधिकारियों ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क रहेगी तथा चयनित खिलाड़ियों को आगे राज्य स्तरीय फुटबॉल अकादमी में प्रशिक्षण एवं बेहतर अवसर प्राप्त हो सकेंगे। यह आयोजन जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने एवं पेशेवर फुटबॉल की दिशा में आगे बढ़ने का सुनहरा मंच प्रदान करेगा। संघ द्वारा जिले के खिलाड़ियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है। खिलाड़ियों को खेल किट, फुटबॉल शूज, शिन-गार्ड एवं आवश्यक खेल सामग्री के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक | **अशासकीय स्कूलों की फीस और व्यवस्थाओं की करें जांच-कलेक्टर।**

जनहित के कार्यों को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

*** पेयजल संकट से उभरने कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में सोमवार को जिला योजना भवन में समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनहित के कार्यों और टीएल पत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। अधिकारी स्वयं व्यक्तिगत रूप से प्रकरणों की जांच कर समय पर उनका गुणवत्तापूर्ण जवाब प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

अशासकीय स्कूलों की फीस और व्यवस्थाओं की समीक्षा

कलेक्टर श्री धोटे ने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अशासकीय (निजी) स्कूलों में आरटीई के तहत दर्ज सभी बच्चों से व्यक्तिगत चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि अशासकीय विद्यालयों की पुस्तकें और यूनिफॉर्म खुले बाजार (मार्केट) में आसानी से उपलब्ध हों। निजी विद्यालयों द्वारा ली जा रही फीस के संबंध में विस्तृत चर्चा कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने छात्रवृत्ति की समीक्षा करते हुए जिले में शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन: टॉप-5 में आने का लक्ष्य, लंबित मामलों पर सख्ती

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने जिले के टॉप-10 रैंकिंग में शामिल होने पर सभी जिला अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आगामी रैंकिंग में जिला टॉप-5 में शामिल हो, इसके लिए सभी विभाग प्रयास करें। उन्होंने 50 दिवस से अधिक लंबित प्रकरण को आगामी 10 दिनों में प्राथमिकता के साथ निराकृत कराने के निर्देश दिए और 500 तथा 1000 दिवस से लंबित शिकायतों का एक माह के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

पेयजल संकट से निपटने के लिए बनाएं कंट्रोल रूम

सीएस श्री अनुराग जैन द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर श्री धोटे ने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति की सुचारू निगरानी और शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए प्रत्येक विकासखंड और जिला स्तर पर एक-एक कंट्रोल रूम तत्काल स्थापित किया जाए।

क्षेत्रों का निरीक्षण और फार्म रजिस्ट्री

कलेक्टर श्री धोटे ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि जिले में शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री का कार्य सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने सभी एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ को आपसी समन्वय बनाकर सभी ग्राम पंचायतों के टोलों (मजरों) की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के निर्देश दिए। निरीक्षण प्रतिवेदनों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों व टोलों में पाई गई कमियों को तत्काल दूर करने की बात कही।

शराब बिक्री पर प्रतिबंध और न्यायालयीन प्रकरण

कलेक्टर श्री धोटे ने आबकारी अधिकारियों को सख्त लहजे में निर्देशित किया कि शहर के 5 किलोमीटर के दायरे में शराब पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस परिधि में शराब की अवैध बिक्री और सप्लाई किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। उच्च न्यायालय की अवमानना से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष समय पर अपना जवाब प्रस्तुत करें। अवमानना वाले मामलों का विभागाध्यक्ष स्वयं गहराई से अध्ययन करें। बैठक के जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चल रहे जल गंगा अभियान की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री धोटे ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के तहत जिले को मिले सभी लक्ष्यों को समय-सीमा के भीतर में पूरा किया जाए।

इस दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर एवं पीओ डूडा श्री संस्कार बावरिया सहित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

होनहार कनिष्क दुबे ने बॉलीवुड में बिखेरी प्रतिभा की चमक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

युवा कलाकार कनिष्क दुबे ने बेहद कम उम्र में बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बनाकर पूरे शहडोल संभाग और मंडला जिले को गौरवान्वित किया है। महज 23 वर्ष की आयु में उन्होंने फिल्म "रजनी की बारात" में मुख्य भूमिका निभाकर अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। बचपन से ही कला और अभिनय के प्रति गहरी रुचि रखने वाले कनिष्क का झुकाव अभिनय के साथ-साथ निर्देशन और रचनात्मक कार्यों की ओर भी रहा है।

कनिष्क के सपनों को साकार करने में उनके माता-पिता रिंकी दुबे और विजय दुबे का विशेष योगदान रहा। उन्होंने बेटे की प्रतिभा को पहचानते हुए उसे देश के प्रतिष्ठित कला संस्थानों में प्रशिक्षण दिलाया, जिससे उसकी अभिनय क्षमता लगातार निखरती गई। कनिष्क के पिता विजय दुबे, जो श्रीराम हॉस्पिटल, शहडोल से जुड़े हैं, अपने सिद्धांतों और सकारात्मक सोच के लिए जाने जाते हैं। उन्हीं मूल्यों और प्रेरणा को अपनाते हुए कनिष्क ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इरादों और सच्ची मेहनत के बल पर छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपनों को साकार कर सकते हैं।

फिल्म "रजनी की बारात" पारंपरिक भारतीय शादियों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक सामाजिक विषय की कहानी है। फिल्म बिहार की एक सशक्त महिला के संघर्ष, आत्मविश्वास और सामाजिक चुनौतियों को केंद्र में रखकर बनाई गई है, जो मनोरंजन के साथ समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास करती है। फिल्म यह दर्शाती है कि सिनेमा केवल मनोरंजनै का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सोच और बदलाव का प्रभावशाली जरिया भी बन सकता है।

कनिष्क की इस सफलता से शहडोल संभाग ही नहीं बल्कि मंडला जिले में भी खुशी और उत्साह का माहौल है। मंडला शहर से उनके पुराने जुड़ाव के कारण यहां के लोग भी इसे अपने लिए गर्व का विषय मान रहे हैं। लोगों का कहना है कि शहडोल का एक युवा कलाकार अब बड़े पर्दे पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर रहा है।

इस अवसर पर कनिष्क दुबे के माता-पिता विजय दुबे और रिंकी दुबे ने कहा कि उनके बेटे की डेब्यू फिल्म की रिलीज केवल उनके परिवार की खुशी नहीं, बल्कि सभी शुभचिंतकों, मित्रों और सहयोगियों के स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोगों से मिले प्रेम, उत्साह, मार्गदर्शन और सहयोग ने इस बड़े सपने को नई पहचान दी है। उन्होंने सभी से आगे भी इसी तरह स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन बनाए रखने की अपील की।

वहीं मण्डला के सामाजिक कार्यकर्ता मनोज तिवारी ने कहा कि कनिष्क दुबे ने शहडोल के साथ-साथ मंडला जिले को भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने कनिष्क के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता आने वाली पीढ़ी के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी।

खुले मैदान में फेंकी जा रही इस्तेमाल की गई चिकित्सा सामग्री मूक पशुओं और बच्चों की जान पर मंडरा रहा खतरा

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

जहां एक ओर सरकार द्वारा शहरों से लेकर गांव गांव मुहिम चलाते हुये स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि जिस तरह जिम्मेदार लोगों द्वारा ही खुले मैदानों में सामग्री फैकी जा रही है उसके चलते स्वच्छता अभियान को तो ग्रहण लग ही रहा है। वही दूसरी ओर यह सामग्री मूक पशुओं के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से भी नही चूक पायेगी..? मुख्य रूप से देखा जावे तो चिकित्सा से जुडी हुई सामग्री को खुले मैदान में फैकना प्रतिबंधित होता है। बताया जाता है कि इसके लिये निर्धारित माप दंडों के आधार पर उपयोग करने के बाद विनष्टिकरण किये जाने के प्रावधान है..? मगर शहरों से लेकर गांव गांव पैदा हो रहे झोला छाप डाक्टरों द्वारा जहां मरीजों का उपचार करने के लिये शासन के सभी नियमों की अनदेखी करते हुये लोगों की जिन्दगी के साथ खिलावाड करने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर जिस तरह सरकारी चिकित्सालयों में उयोग होने वाली सामग्री के ऊपर स्पष्ट अक्षरों में लिखा होता है कि नॉट फार सेल यानि की यह सामग्री विक्रय के लिये नही है सिर्फ मरीजों के लिये निःशुल्क प्रदान करने के लिये है। मगर इस प्रकार की सामग्री जब उपयोग होने के बाद खुले मैदान में पड़ी हुई दिखाई दे रही है तो निश्चित तौर से शासकीय चिकित्सालयों में मरीजों के लिये निःशुल्क प्रदान की जाने वाली सामग्री में होने वाली गफलबाजी की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पा रही है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई आये दिन शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सड़को के किनारे फैकी हुई स्थिति में दिखाई देने से नही चूक पा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई कुछ दिनों पहले नगर के वायपास मार्ग पर देखने मिली थी। इसके बाद कुछ इसी तरह का नजारा समीपस्थ बोहानी के पास देखने मिलना अनेक सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है..? जिस प्रकार से सड़क किनारे भारी मात्रा में चिकित्सा सामग्री जो उपयोग होने के बाद खाली हुये इजेक्शन, मरीजों को चढ़ाई जाने वाली वाटल व कांच शीशी युक्त एजेक्शन लगाने के लिये उपयोग होने वाली सीरेंज पिन तथा अनेक प्रकार की सीरप की खाली शीशी जिन पर लिखा हुआ था नॉट फार सेल जो भारी मात्रा में सड़क किनारे खुले मैदान में फैका गया है। इस तरह खुले मैदान में उपयोग की गई चिकित्सा सामग्री फेकने के चलते बच्चों के साथ साथ मूक पशुओं की जिन्दगी को भी खतरा पैदा करने से नही चूक रही है। यदि इस क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां से बोहानी स्वास्थ्य केन्द्र की दूरी अधिक होने के चलते यह बात तो स्पष्ट है कि इस सामग्री को चिकित्सालय द्वारा तो फैकी नही गई होगी? मगर यह बात स्पष्ट है कि जिस जगह पर यह सामग्री फैकी गई है उस स्थान से बोहानी स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ अनेक कर्मचारियों की क्वाटरे काफी नजदीक जरूरी बनी है। इस सच्चाई से यह बात उजागर होते हुये जान पड़ रही है कि स्वास्थ्य विभाग की इन क्वाटरों में निवास करने वाली विभाग के ही कर्मचारियों द्वारा अपने घरों पर नियमों के विपरित डाक्टरी करते हुये मरीजों को निःशुल्क प्रदान की जाने वाली दबाईयों के माध्यम से जेबे तो नही भरी जा रही है...? खैर सच्चाई जो भी हो। मगर इस तरह खुले मैदान में फैकते हुये आमजन के साथ साथ मूक पशुओं की जिन्दगी को खतरे में डालने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है..? इस प्रकार खुले मैदान भारी मात्रा में फैकी गई चिकित्साल सामग्री जहां सरकार के स्वच्छता अभियान को ग्रहण लगाते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र को प्राप्त होने वाली नॉट फार सेल की दबाईयों को कर्मचारियों द्वारा किस तरह उपयोग किया जा रहा है इसकी पोल खुलने से भी नही चूक पा रही है? इस तरह कचरे के रूप में चिकित्सा सामग्री पड़ी होने के चलते निश्चित तौर से एक बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? क्योंकि चिकित्सा विभाग से जुडे हुये लोगों के अनुसार बताया जाता है कि चिकित्सालय से निकलने वाले इस तरह की सामग्री को निर्धारित स्थल पर रखने के बाद एक निर्धारित जगह नष्ट किया जाता है। क्योंकि खुले मैदान में इस तरह फैके जाने के चलते यदि किसी पशु या फिर बच्चें के हाथ लग जाती है तो उनकी जिन्दगी को खतरा बनने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

रोटरी क्लब के तत्वाधान में 31 मई को कैंसर परीक्षण एवं निदान शिविर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय रोटरी क्लब द्वारा महावीर भवन में 31 मई दिन रविवार सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक विशाल कैंसर जागरुकता एवं निःशुल्क कैंसर परीक्षण एवं निदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मेडिकल कॉलेज जबलपुर के प्रोफेसर,सुप्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम रावत एम बी बी एस, एम डी, एफ आई ए सी ए, शिविर में आने वाले मरीजों का परीक्षण करेंगे । शिविर का लाभ लेने के लिए पंजीयन प्रारम्भ है जो 30 मई तक चलेंगे । कैंसर के लक्षण के बारे बताया गया है कि मुँह में लंबे समय से छाले का होना, खाना चबाने व निगलने में तकलीफ होना, आवाज में भारीपन, स्तन की प्रक्रिया में बदलाव व खून का आना, महिलाओं में स्तन में गठान का होना, योनि द्वार सें सफेद पानी अनियमित माहवारी, अकारण अचानक वजन कम होना ,लंबे समय से खांसी व बलगम से खून का आना है ऐसे मरीज अपनी जांच जरूर कराए । शिविर में आने वाले मरीज अपनी पुरानी जॉच एवं इलाज की पर्ची साथ में अवश्य लायें । निःशुल्क शिविर में पंजीयन कराने डॉ. डी. एस. चौधरी, डॉ. उमाशंकर दुबे, डॉ. उपेन्द्र सिंघई, डॉ. भरत राठी, डॉ. संगीत जैन, डॉ. संजय मोदी, डॉ स्वाति कुरचानिया, डॉ उपेन्द्र वस्त्राकार, आदित्य रघुवंशी, डॉ. आशुतोष मेहता, डॉ. आदित्य अग्रवाल (सांईखेड़ा) से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

आदर्श स्कूल के छात्रों के लिये आयोजित हुई ऑन जॉब ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय शासकीय आदर्श उ. मा. विद्यालय में संचालित नवीन व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत कक्षा 10 वीं तथा कक्षा 12 वीं के छात्रों की 20 दिवसीय आन जॉब ट्रेनिंग (OJT) शासकीय आईटीआई गाडरवारा में सम्पन्न हुई। बताया जाता है कि इस ट्रेनिंग में छात्रों ने आधुनिक कम्प्यूटर तकनीक, डाटा एंट्री, हिन्दी टाईपिंग, इलेक्ट्रिक फैन वाइंडिंग, एलईडी बल्ब रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिक बोर्ड बनाना आदि का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर शासकीय आईटीआई संस्थान से प्रशिक्षक पुष्पराज पटेल, रूपेश पंवार, के. पी. नायडू, देवेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा तकनीकी विषयों का सरल तथा प्रभावी प्रशिक्षण दिया गया। बताया जाता है कि 2 मई से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा तथा जी. डी. एजुकेशन ट्रस्ट के स्टेट को-ऑर्डिनेटर अनुराग नागर, लक्ष्य जॉब स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड के स्टेट को-ऑर्डिनेटर चन्द्रभान सिंह के मार्ग दर्शन से व्यावसायिक प्रशिक्षक अखिल सोनी तथा आकाश भिलावे द्वारा कराया गया।

अधिमास के चलते नगर के अटल बिहारी मंदिर में आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। तीन वर्षों की प्रतीक्षा के बाद पुरुषोत्तम मास 17 मई से प्रारंभ हुआ है। इस माह को अधिमास के रूप में जाना जाता है और धार्मिक आयोजन के लिये मुख्य माना जाता है। इस मास में नगर के मध्य स्थित श्रीदेव अटल बिहारी मंदिर में प्रतिदिन अनेक धार्मिक आयोजन हों रहे है। इन आयोजनों के होने से माहौल धर्ममय बना हुआ है। मंदिर के पुजारी कमलेश भार्गव ने बताया कि पुरुषोत्तम मास को अधिक मास भी कहते हैं। मंदिर में प्रतिदिन सुबह 6 बजे से भगवान श्री पुरुषोत्तम जी का निर्माण कर विधिवत पूजन अर्चन मातृशक्ति द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास से किया जाता है। प्रतिदिन महिलाएं अपने घरो से तैयार होकर पूजन सामग्री लेकर आती है और विधिवत पूजन कर आरती करती है। मंदिर में प्रतिदिन पूजन करने आ रही एक महिला ने बताया कि हम सभी श्री देव अटल बिहारी युगल सरकार के सानिध्य में पूजन अर्चना करते है। यहाँ उल्लेखनीय है कि पुरुषोत्तम मास का बड़ा ही धार्मिक महत्तव है। मान्यता है पूरे माह में भगवान की आराधना करने से पुण्य लाभ मिलता है।

ईदुलअजहा पर ईदगाह में होगी सामूहिक नमाज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

स्थानीय राजीव वार्ड स्थित ईदगाह में ईदुल अजहा (बकरा ईद) की सामूहिक नमाज 28 मई गुरुवार को सुबह 7:30 बजे अदा की जाएगी। बताया जाता है कि इस दौरान नमाज हाफिज व कारी जुबेर आलम द्वारा पढ़ाई जाएगी। इसके बाद जामा मस्जिद में सुबह 8 बजे,छोटी मस्जिद में सुबह 8 बजे ईद की मनाज अदा की जाएगी । इस्लाम धर्म में बकरा ईद का विशेष महत्व है। यह त्योहार हज़रत इब्राहीमअलैहिस्सलाम की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। मान्यता है कि अल्लाह ने हज़रत इब्राहीम का इम्तिहान लेने के लिए उनसे अपनी सबसे प्यारी चीज़ कुर्बान करने को कहा था। हज़रत इब्राहीम ने अपने बेटे हज़रत इस्माईल को कुर्बान करने का फैसला किया। उनकी नीयत देखकर अल्लाह ने इस्माईल की जगह एक दुम्बा भेज दिया। इसीलिए यह त्योहार त्याग, समर्पण और अल्लाह पर भरोसे का प्रतीक माना जाता है। ईद के दिन लोग सुबह से ही साफ कपड़े पहनकर ईदगाह व मस्जिद में ईदुल अजहा की नमाज़ अदा करते हैं। नमाज़ के बाद हैसियत के मुताबिक बकरे की कुर्बानी दी जाती है। नमाज के बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते हैं। इसके साथ ही मुस्लिम सामुदाय के लोग कब्रिस्तान पहुंचकर फूल खुशबू पेश कर मरहूमों के हक में दुआएं करते हैं । बकरा ईद के दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व है। बकरा ईद केवल जानवर की कुर्बानी नहीं है। इसका असली मतलब अपने अंदर की बुराइयों, लालच, घमंड और नफरत की कुर्बानी देना तथा गरीबों और जरूरतमंदों का ख्याल रखना है। जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने बताया कि ईदगाह में नमाज को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। मुस्लिम समाज के लोग समय पर ईदगाह पहुँचे । वही उन्होंने स्थानीय प्रशासन , पुलिस विभाग, नगर पालिका से सहयोग करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है।

सीतारेवा नदी में जल गंगा संवर्धन के तहत चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड चीचली के अंतर्गत छोटा जबलपुर (सीतारेवा नदी तट) पर जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण "जल स्रोत सेवा समागम" के तहत घाट स्वच्छता एवं साफ-सफाई गतिविधि के साथ नदी पूजन किया गया। बताया जाता है कि यह कार्यक्रम विकासखंड समन्वयक सुश्री स्मिता दाण्डे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान नदी तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा उपस्थित जनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वही दूसरी ओर लोगों से अपील की गई कि वे नदी तट पर कचरा न फैलाएं और इस जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, इस अवसर पर उपस्थित लोगों को जल के महत्व, उसके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करते हुए जल के सदुपयोग का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं जल संरक्षण के प्रति सजग रहेंगे, बल्कि अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जल संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम में म.प्र. जन अभियान परिषद् विकासखंड समन्वयक सुश्री स्मिता दाण्डे,समाजसेवी श्रीमति रेखा कुशवाहा के साथ स्वच्छता गतिविधि में नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति सूखाखैरी से कार्यक्रम समन्वयक कुलदीप कौरव, नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया से रामकृष्ण राजपूत एवं कार्यक्रम समन्वयक रामेश्वर वर्मा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ढाना से कृष्ण कुमार कुशवाहा, परामर्शदाता अभिषेक कौरव,कु. राधा कीर , राकेश पाल , स्वप्निल बड़ारया, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से पंकज कुशवाहा, संजय पाठक तथा छात्र-छात्राओं में रामचंद्र कीर, शशिकांत कीर, जोगेश, रश्मि कीर, अंजलि, साक्षी कहार, गीता कीर, सूरज ठाकुर, विवेक ठाकुर, सपना कातिया, पार्वती गौड़, राहुल नामदेव, सरस्वती कहार, राधे लाल,सहित cmcldp के छात्रों की उपस्थित रहे। इस दौरान एकत्र ग्रामीणो द्वारा भी श्रमदान करते हुये सहयोग प्रदान किया।

विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा को लेकर जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन, राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा बीते हुये सोमवार को नगर के पलोटन से तहसील कार्यालय तक मौन जुलूस निकाल कर अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। बताया जाता है कि सौपे गये ज्ञापन के माध्यम से विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने और राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाने की मांग की गई। मौन जुलूस के दौरान समाज के लोगों ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की अनन्य शिष्या दिवंगत आर्यिका माँ श्री श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका माँ श्री उपशममति माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार प्रियंका नेताम को जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि हाल ही में विहार के दौरान आर्यिका माताजी के साथ हुई दुर्घटना की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। समाज का कहना है कि उपलब्ध तथ्यों एवं वीडियो क्लिपों के आधार पर यह केवल सड़क दुर्घटना भर नहीं लगती। पैदल विहार करने वाले जैन साधु-संत पूर्णतः निहत्थे और अहिंसक होते हैं। वे किसी प्रकार की सुरक्षा सुविधा नहीं लेते। ऐसे में उनके विहार मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाए। साधु-संतों पर लगातार बढ़ती दुर्घटनाओं एवं हमलों को देखते हुए केंद्र सरकार राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाए। ज्ञापन में कहा गया कि जैन संत समाज में शांति, संयम और अहिंसा का संदेश प्रसारित करते हैं। उनके साथ हो रही घटनाएं सम्पूर्ण समाज के लिए चिंताजनक हैं। मौन जुलूस एवं ज्ञापन सौंपने के दौरान दिगम्बर जैन समाज संगठन, जैन महिला संगठन के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने ज्ञापन पर तुरंत संज्ञान लेकर कार्यवाही की मांग की गई है।

शासकीय हेण्ड पंपो में मोटर डालकर निजी लोगों ने कर लिया कब्जा, गर्मी में पानी के लिये भटक रे आमजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय देखने मिल रहा है कि जहां अनेक गांवों में बिजली की अघोषित हो रहे कटौती के चलत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पीने के पानी को लेकर भटकरने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि गांवों में शासन द्वारा लगाये गये हेण्ड पंपों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि गर्मी आने के पहले ही उनका जल स्तर नीचे की ओर गिर जाने के कारण वह पानी की जगह हवा उगलते हुये देखे जा रहा है। वही दूसरी ओर जहां पर हेण्ड पंप सही सलामत है तो वहां पर गांव के ही प्रभावशालियों द्वारा इन शासकीय हेण्ड पंपों में अपनी निजी मोटर डालते हुये उन पर कब्जा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। जिसके चलते इन प्रभावशालियों द्वारा शासकीय हेड पंपों में डाली गई मोटरों के चलते जहां वह अपने निजी कामों में उपयोग करते हुये अपने घर के वाडो में सब्जी पैदा करते हुये देखे जा रहे है..? मगर आम गरीब ग्रामीणजन दो दो बूंद पानी के लिये भटकने के लिये मजबूर होने से नही चूक पा रहे है। इस प्रकार की सच्चाई को लेकर आये दिन प्रशासन को अवगत कराये जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा इस प्रकार से शासकीय हेंड पंपों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही नही किये जाने का परिणाम है कि उनके हौसले लगतार बुलंद होने से नही चूक पाते है जिसके चलते क्षेत्र के अनेक गांवों में आज भी जहां तहां शासकीय हेंड पंपों में निजी मोटर डली हुई आसानी से देखी जा सकती है। यदि इस सच्चाई कुछ ज्यादा ही उजागर होने लगती है तो संबंधित विभाग द्वारा इन प्रभावशालियों को संरक्षण देते हुये उनके द्वारा डाली गई इस प्रकार से नियम विरूद्व मोटरों पर गांव वालों की सहमति का प्रमाण पत्र का पंचनामा बनबाते हुये कार्यवाही को इतिश्री कर दिया जाता है? जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों के लिये पीने के पानी को लेकर भटकने के लिये मजबूर होना पड़ जाता है। जबकि नियम अनुसार तो कार्यवाही इस प्रकार से होना चाहिये की किसी भी शासकीय संपत्ति का इस प्रकार से उसके साथ छेड़खानी करने वालों पर सख्त कार्यवाही होना जरूरी होना चाहिये, मगर विभाग की उदासीनता कही जावे या फिर मिली भगत का परिणाम जिसके चलते अनेक गांवों में प्रभावशालियों का आम लोगों को पानी उपलब्ध कराने के लिये शासन की राशि से लगाये गये हेड पंपों पर कब्जा देखने मिल रहा है?

ग्रामीणों को पता ही नहीं चल पता और खत्म हो जाती है शासन की योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

जहां एक ओर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाए चला रही है,वही दूसरी ओर देखा जावे तो पंचायतों में बैठे जनप्रतिनिधियों तथा पंचायत के कर्मियों की उदासीनता तथा मनमानी के चलते ज्यादातर ग्राम पंचायतो की हालत खराब है? जिसके उदाहरण जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचयातों में आसानी से देखने को मिल सकते है, जहां पर बताया जाता है कि जनपदो में बैठे बाबूओं व ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिवों की मनमानी का शिकार होकर यह शासन की योजनाएं हितग्राहियों तक पहुचने के पहले ही दम तोड़ने से नही चूक पाती हैं? क्योंकि ग्राम पंचायतो में आने वाली कोई भी योजनाओ का क्रियान्वयन सरपंच और सचिवों की मर्जी पर होता हैं, यही कारण है कि शासन की अच्छी से अच्छी योजना का लाभ सभी पात्र उपभोक्ताओं को कम लेने की बजाय कुछ स्वार्थी तथा जनप्रतिनिधियों के नजदीकी लोगो तक ही सिंमटता हुआ आने से नही चूकती है? ग्राम पंचायतों की इस तरह की गतिविधियों को रोकने के लिये ही ग्राम पंचायतों को कार्य को करनें के पूर्व ग्राम सभाओं में प्रस्ताव को पारित कराया जाना अनिवार्य किया गया है, परंतु ये ग्राम सभाये भी अब औपचारिकता पूर्ण हो गई है, जिनमें न तो उपस्तिथि हो पाती है और न ही निर विवाद प्रस्ताव पारित हो पाते है। दरअसल कतिपय सरपंच या सचिव ग्राम पंचायतो की ग्रामसभाओं के आयोजन की सूचना तक सभी को समय पर पहुँचाना जरूरी नही समझते है और ग्रामीणजन सूचना के आभाव में भी ग्राम सभाओं में उपस्थित होने में कतराते है। यही कारण है कि क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतो में ग्राम सभाओ की बैठकों मे उपस्थिति आधी से भी कम होती है, जबकि प्रस्ताव पारित करने के लिये दो तिहाई उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है, मगर क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतों की मुश्किले यह है कि वे इस न्यूनतम स्थिति के फेर में पडें रहें तो वे एक भी प्रस्ताव पारित कराकर काम नहीं करा सकते, इसका हल तो यही है कि या तो ग्राम सभाओं में अपने लोगों को इकटठा करके ग्रामसभाओं की कार्यवाही पूर्ण कर ली जाये अथवा घर घर रजिस्टर भेजकर उपस्थिति के हस्ताक्षर करा लिये जायें अथवा फर्जी अंगूठे के लगाकर दो तिहाई उपस्थिति का रिकार्ड तैयार कर प्रस्ताव पारित कर लिया जाये? ग्राम पंचायतो की इसी दुविधा के चलते आम ग्रामवासी पंचायत अधिनियम की परिकल्पना के अनुसार ग्राम विकास में सहभागी नहीं हो पाता, यहां तक कि अनेक लोग तो यह भी नही जानते कि उनके ग्राम में क्या क्या कार्य होने वाला है और कौन सा कार्य किस निधि ताथा कितनी राशि से पूर्ण किया गया है तथा शासन की कौन कौन सी योजनाये चल रही हैं, जिसके चलते अनेक पंचायतों द्वारा तो शासन की दूसरी योजनाओं से पूर्ण हुये कार्यो को भी अपनी पंचायत के बताते हुये जनता की नजरों में वाही वाही लूटने से भी नही चूकते है? बहरहाल ग्राम पंचायतों को कार्यकाल का अंतिम बेला की ओर चल रहा है और आम आदमी इससे उकसाइट महसूस करने लगा हैं?

खबर संक्षेप

20 वर्ष की उम्र में बड़ी उड़ान, असित तिवारी का आईआईएम शिलांग में चयन

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जमुना-कोतमा क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवा एवं एसईसीएल कर्मी के पुत्र असित तिवारी ने मात्र 20 वर्ष की आयु में देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन शिक्षण संस्थान आईआईएम शिलांग में चयन प्राप्त कर क्षेत्र और एसईसीएल का नाम गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। उल्लेखनीय है कि असित का चयन देश के कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में हुआ था, लेकिन उन्होंने उच्च शिक्षा के लिए आईआईएम शिलांग को चुना। असित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के त्याग, मार्गदर्शन और निरंतर प्रोत्साहन को दिया। साथ ही उन्होंने अपने नाना योगेंद्र द्विवेदी, सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर तथा बड़े पापा शरद तिवारी, संचालक भौमिकी छत्तीसगढ़, को अपनी प्रेरणा बताया। उनका कहना है कि परिवार से मिले संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण ने उन्हें हमेशा बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। असित की शैक्षणिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। उन्होंने वैश्विक महामारी के दौरान घर पर रहकर अध्ययन करते हुए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य एवं उन्नत दोनों परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। इसके बाद उन्होंने आईआईटी मद्रास में अध्ययन किया तथा भारतीय विदेश व्यापार संस्थान से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि असित तिवारी की उपलब्धि युवाओं के लिए संदेश है कि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो तो सफलता जरूर मिलती है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की नई प्रेरणा दे रही है।

गंगा दशहरा दिवस पर आज आरंडी संगम में होगा विशेष पूजा-पाठ, हवन एवं भंडारा

अमरकंटक। मध्य प्रदेश की प्रमुख आध्यात्मिक एवं धार्मिक तीर्थ नगरी अमरकंटक के प्रमुख आस्था स्थलों में से एक मां नर्मदा नदी के आरंडी संगम तट स्थित योगीराज सीताराम दास जी महाराज के गुफा आश्रम में 26 मई ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष दशमी तिथि एवं उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के पावन अवसर पर गंगा दशहरा पर्व विशेष श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर आश्रम में विशेष पूजन-अर्चन, अभिषेक, पाठ, भजन-कीर्तन, मानस आरती तथा भोजन प्रसादी भंडारे का आयोजन किया जाएगा। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर दूरस्थ क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिवर्ष आरंडी संगम पहुंचकर स्नान, दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर धर्म लाभ अर्जित करते हैं। गंगा दशहरा का यह पर्व आरंडी संगम तट के लिए विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व रखता है। मान्यता है कि इस दिन यहां स्नान, ध्यान, दर्शन एवं पूजन-अर्चन करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। आरंडी संगम आश्रम के प्रमुख केदारनाथ महाराज ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रातःकाल से विशेष स्नान, अभिषेक, पूजन-अर्चन एवं हवन प्रारंभ होगा। इसके उपरांत दोपहर 12 बजे से कन्या भोजन, संत भोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता करने तथा धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है।

मां नर्मदा से मिलने अमरकंटक आती हैं मां गंगा, स्नान, दान और साधना का महापर्व

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। भारतीय सनातन परंपरा में व्रत, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, लोक कल्याण और प्रकृति के प्रति श्रद्धा के प्रतीक माने गए हैं। इन्हीं पावन पर्वों में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पर्व है गंगा दशहरा, जिसे धर्मग्रंथों में पुण्य, पापक्षालन और आध्यात्मिक उन्नति का महापर्व कहा गया है। इस वर्ष गंगा दशहरा विशेष संयोग के साथ ज्येष्ठ अधिक मास में पड़ रहा है, जिससे इसकी आध्यात्मिक महत्ता और अधिक बढ़ जाती है। ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार शास्त्रों में वर्णित है।

रीवा की घटना को लेकर जैन समाज में आक्रोश, संत सुरक्षा नीति और निष्पक्ष जांच की मांग

डिंडोरी/शहपुरा।

मध्यप्रदेश के रीवा जिले में विहाररत पूज्य आर्यिका माताजी एवं संघ के साथ हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना को लेकर सकल जैन समाज में गहरा शोक, पीड़ा और आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में तथा विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर डिंडोरी और शहपुरा में समाजजनों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में समाजजनों ने रीवा घटना की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, सभी CCTV फुटेज, वीडियो और डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। समाज का कहना है कि उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज से यह घटना सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित कृत्य प्रतीत होती है। यदि जांच में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा षड्यंत्र के तथ्य सामने आते हैं तो संबंधित व्यक्तियों पर सख्त धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए।

इस पूरे आंदोलन में अधिवक्ता सम्यक जैन की सक्रिय भूमिका प्रमुख रूप से सामने आई। उन्होंने कहा कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक, निहत्थे एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो समाज को शांति, संयम और अहिंसा का संदेश देते हैं। ऐसे संतों के साथ लगातार बढ़ती दुर्घटनाएं एवं हमले अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय हैं। उन्होंने कहा कि

समाज का उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना और संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।उल्लेखनीय है कि रीवा में कलेक्ट्रेट के समीप विहाररत जैन साध्वी आर्यिका माताओं को एक कार चालक द्वारा टक्कर मार दी गई थी, जिसमें दो आर्यिका माताओं का घटनास्थल पर ही निधन हो गया, जबकि एक आर्यिका माता गंभीर रूप से घायल होकर उपचाररत हैं। इस घटना से पूरे जैन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है।ज्ञापन में विहाररत साधु-संतों की सुरक्षा के लिए "संत सुरक्षा प्रोटोकॉल" तत्काल लागू करने, विहार मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, पुलिस समन्वय तथा संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासनिक सहयोग सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही भारत सरकार से "राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति" बनाए जाने की मांग भी उठाई गई।

डिंडोरी में अधिवक्ता सम्यक जैन के नेतृत्व में समाजजनों ने एसडीएम राम बाबू देवांगन को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान अधिवक्ता ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि संतों की सुरक्षा शासन और समाज दोनों की नैतिक जिम्मेदारी है।इस अवसर पर डॉ. सुनील जैन, संजय जैन, रितेश जैन, सचिन जैन, शरद जैन, सपना जैन, मालिनी जैन, अभ्या जैन, अम्बर जैन, अक्षत जैन, पराग जैन, शारविल जैन, सेजल जैन, पुनीत जैन, सत्येंद्र जैन सहित सकल जैन समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।एसडीएम राम बाबू देवांगन ने कहा कि जिले में जब भी किसी साधु-संत का आगमन अथवा विहार प्रस्तावित हो, समाज द्वारा दो दिन पूर्व रूट चार्ट उपलब्ध कराया जाए ताकि प्रशासन समय रहते आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर सके। उन्होंने प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, गृह मंत्री भारत सरकार, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक डिंडोरी को भी प्रेषित की गई।अंत में समाजजनों ने कहा कि जो संत स्वयं निहत्थे रहकर मानवता को अहिंसा, संयम और शांति का मार्ग दिखाते हैं, उनकी सुरक्षा करना शासन और समाज दोनों का नैतिक दायित्व है।

गंगा दशहरा पर आदर्श ग्राम झांकी में जल स्रोत पूजन एवं गंगा कलश यात्रा का आयोजन

डिंडोरी।

जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत झांकी माल में गंगा दशहरा के अवसर पर जल संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने हेतु जल स्रोत पूजन एवं गंगा कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद्, विकासखंड समनापुर जिला डिंडोरी के मार्गदर्शन में चयनित नवांकुर संस्था सामाजिक समरसता सेवा समिति झांकी रैयत द्वारा किया गया।कार्यक्रम जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान एवं विकासखंड समन्वयक मंजुलता राव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन की शुरुआत खरमेर नदी तट पर स्वच्छता अभियान चलाकर की गई, जहां ग्रामीणों ने नदी एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद विधि-विधान से जल स्रोत एवं कलश पूजन कर गंगा कलश यात्रा निकाली गई।

कलश यात्रा ग्राम के प्रमुख देवस्थलों ठाकुरदेव एवं खेरमाई पहुंची, जहां ग्रामीणों द्वारा देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर नारियल एवं अगरबत्ती अर्पित की गई तथा गंगा जल चढ़ाया गया।इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण, जल संचय एवं स्वच्छता बनाए रखने की सामूहिक शपथ भी ली।कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक मंजुलता राव, नवांकुर संस्था प्रभारी वेद प्रकाश यादव, सेक्टर क्रमांक-02 छांटा के प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत सरपंच गणेश सिंह मार्को, वार्ड पंच खान सिंह सहित संतोष कुमार यादव, लखन सिंह धुर्वे, सुमेर सिंह धुर्वे, आरती धुर्वे, पार्वती धुर्वे, ओमवती धुर्वे, रजय सिंह धुर्वे, निशा, बिंदु, झमिया, कौशल, असवंत, रेवती, धनमतिया, सुखवती सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा की संवेदनशील पहल, दुर्घटना रोकने सड़क पर खुद उतरे

शहपुरा। शहपुरा-कुंडम मार्ग पर निर्माणाधीन सड़क में सुरक्षा इंतजामों की कमी के बीच एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया।जानकारी के अनुसार शहपुरा से कुंडम मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण कई स्थानों पर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। मार्ग पर पर्याप्त संकेतक एवं बैरिकेड नहीं लगाए जाने से वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह मुद्दा पूर्व में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में भी उठाया जा चुका है।इसी बीच एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा शासकीय दौरे से लौट रहे थे, तभी उनकी नजर सड़क के एक खतरनाक हिस्से पर पड़ी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तत्काल वाहन रुकवाया और मौके पर पत्थर रखवाकर अस्थायी बैरिकेड की व्यवस्था कराई, ताकि वाहन चालकों को संभावित दुर्घटना से बचाया जा सके।एसडीएम की इस त्वरित कार्रवाई और जिम्मेदार कार्यशैली की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी द्वारा मौके पर रुककर तत्काल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना आमजन की सुरक्षा के प्रति उनकी गंभीरता और संवेदनशीलता को दर्शाता है।स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि निर्माणाधीन मार्ग पर जल्द स्थायी सुरक्षा इंतजाम एवं आवश्यक संकेतक लगाए जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान में डिंडौरी ने बनाई राष्ट्रीय पहचान

डिंडौरी। शासन के निर्देशानुसार जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जन भागीदारी अभियान के तहत जल संरक्षण और जल संवर्धन के क्षेत्र में डिंडौरी ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जल संरक्षण कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए डिंडौरी जिला देशभर में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है जबकि मध्यप्रदेश के 55 जिलों में जिले ने पहला स्थान प्राप्त किया है।अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुआं नदी नाले हैंडपंप ट्यूबवेल बावड़ी और तालाबों के आसपास जल संरक्षण एवं भूजल स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही पहाड़ी एवं बंजर भूमि पर कंटूर ट्रेंच नदी-नालों में बोरी बंधान ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर सोखता टैंक तथा शासकीय एवं अर्धशासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं।जिले में वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए गए हैं। जलसंचय जनभागीदारी अभियान के तहत अब तक कुल 5 लाख 52 हजार 638 जल संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। इनमें डगवेल रिचार्ज 8 हजार 746 हैंडपंप रिचार्ज 2 हजार 48 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग 14 हजार 613 कंटूर ट्रेंच 1 लाख 62 हजार 316 गली प्लग 14 हजार 463 गेबियन 1 हजार 634 परकोलेशन टैंक 1 हजार 246 खेत तालाब 9 हजार 941 तालाब 2 हजार 362 चेक डैम 6 हजार 602 रिचार्ज पिट 41 हजार 646 बोरी बंधान 3 हजार 441 ड्रिप इरिगेशन 7 हजार 403 तथा मटका सिंचाई पद्धति के अंतर्गत 35 हजार संरचनाएं शामिल हैं।इन कार्यों में कृषि विभाग वन विभाग उद्यानिकी विभाग स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग पीएचई जल संसाधन विभाग तथा एनजीओ प्रदान सहित विभिन्न विभागों और संस्थाओं का समन्वित सहयोग रहा है।राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार आंध्रप्रदेश का अल्लूरी सीताराम राजू जिला फिलहाल देश में पहले स्थान पर है जो डिंडौरी से 60 हजार 212 कार्यों से आगे है। इसके बावजूद डिंडौरी जिले ने जल संरक्षण और जल संचय के क्षेत्र में देशभर में अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है।

जर्जर स्कूल भवन पर जिम्मेदारों की अनदेखी

शहपुरा।

विकासखंड मेहंदवानी के ग्राम जैतपुरी में शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। गांव में स्थित शासकीय स्कूल भवन वर्षों से जर्जर और खंडहर हालत में पड़ा हुआ है। भवन की दीवारें टूट चुकी हैं और छत पूरी तरह कमजोर हो गई है। लगातार मलबा गिरने के बावजूद जिम्मेदार विभाग कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि इसी जर्जर भवन के पास आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है जहां प्रतिदिन छोटे बच्चे पहुंचते हैं। वहीं पंचायत भवन और शासकीय राशन दुकान भी आसपास ही संचालित है जिससे पूरे दिन ग्रामीणों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार मौखिक शिकायत की गई लेकिन न तो भवन को हटाया गया और न ही परिसर को सुरक्षित करने के लिए बैरिकेडिंग की गई। लोगों में लगातार भय बना हुआ है कि बारिश या तेज हवा के दौरान भवन कभी भी गिर सकता है और बड़ा हादसा हो सकता है।जब इस मामले में मेहंदवानी विकासखंड के बीईओ सामद सिंह से चर्चा की गई तो उन्होंने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता और वे केवल भुगतान संबंधी कार्य देखते हैं। बीईओ के इस बयान के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी जिम्मेदारी लेने के बजाय एक दूसरे पर

मामला टाल रहे हैं जबकि गांव में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जर्जर भवन को तत्काल ध्वस्त कराया जाए और मामले में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए ताकि किसी मासूम की जानजोखिम में न पड़े।

इनका कहना है

आपके द्वारा मेरे संज्ञान में जानकारी प्राप्त हुई है मैं इसे तत्काल दिखवाता हूं।

ऐश्वर्य वर्मा
एसडीएम शहपुरा

चक्काजाम के बाद जागा प्रशासन, सागर टोला में बहाल हुई पेयजल व्यवस्था

डिंडौरी।

विकासखंड बजाग की ग्राम पंचायत करौंदा के सागर टोला में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या का समाधान आखिरकार हो गया है। नलजल योजना का संचालन बाधित होने और पर्याप्त पानी नहीं मिलने से परेशान ग्रामीणों ने हाल ही में अमरकंटक-जबलपुर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर विरोध दर्ज कराया था।ग्रामीणों के प्रदर्शन के बाद प्रशासन हरकत में आया और कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दो दिनों के भीतर पेयजल व्यवस्था सुचारू करने और ग्रामीणों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

निर्देशों के पालन में पीएचई विभाग ने 25 मई को मोटर चालू कर नलजल योजना की पाइपलाइन को पुनः संचालित किया। इसके बाद अब सागर टोला के ग्रामीणों को घर-घर पर्याप्त मात्रा में पेयजल मिलने लगा है।कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अफजल इमाम उल्ला खान ने बताया कि नलजल योजना को पुनः शुरू कर दिया गया है और क्षेत्र में नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही पेयजल व्यवस्था की लगातार निगरानी भी की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो।पेयजल संकट दूर होने के बाद ग्रामीणों ने राहत महसूस की है और प्रशासनिक पहल पर संतोष जताया है।

बिजुरी कांड की सीबीआई जांच की मांग तेज, भगवा पार्टी ने एसआईटी पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

बिजुरी कांड को लेकर जिले में राजनीतिक और सामाजिक आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग अब तेज हो गई है। भारतीय गण वार्ता (भगवा) पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्र ने पूरे प्रकरण की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में गठित एसआईटी से निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना मुश्किल है, क्योंकि पूरे घटनाक्रम में पुलिस प्रशासन की भूमिका भी संदेह के घेरे में दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई, फिर आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और उसके बाद मामले के एकमात्र चश्मदीद गवाह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इन घटनाओं ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। कन्हैयालाल मिश्र ने बयान जारी करते हुए कहा कि बिजुरी कांड की सच्चाई सामने लाने के लिए स्वतंत्र एजेंसी द्वारा जांच कराना बेहद जरूरी है। उनका आरोप है कि मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है तथा जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि मीडिया से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। इससे आम जनता के बीच अविश्वास की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि यदि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं हुई तो जनता का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाएगा।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

जबलपुर, मंगलवार 26 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भीषण गर्मी में बच्चों और गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी की जरूरत

तेंदूखेड़ा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा स्वस्थ मां स्वस्थ बच्चा खुशहाल परिवार को लेकर चलाये जा रहे कार्यक्रम के अनुसार भीषण गर्मी में गर्भवती महिलाओं और बच्चों पर पढ़ने वाले असर को लेकर सावधानियां बरतने की सलाह दी है। हमारे प्रतिनिधि को शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में पदस्थ डा रामेश्वर पटेल ने बताया कि इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। और ऐसे समय में गर्भवती महिलाओं को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ढीले ढाले कपड़े पहनने के साथ सुबह 11बजे से शाम 04 बजे तक धूप में ना निकलें। पर्याप्त मात्रा में ओ आर एस पानी छांछ और नीबू पानी पियें। नियमित आराम के साथ ठंडे हबादार स्थान पर रहें।इसी तरह से छोटे छोटे बच्चों को भी बार बार पानी पिलायें नीबू पानी नारियल पानी छांछ ओ आर एस पानी पिलायें।बंद कमरे बाहन में बैठने से बचायें हल्के कपड़े पहनाए।हल्का पोष्टिक भोजन कराएं।कूलर पंखों का उपयोग करें।यदि भीषण गर्मी के कारण तेज बुखार चक्कर आना उल्टी-दस्त त्वचा लाल और शरीर गर्म पड़े थकान और वेहोषी आये तो तत्काल अस्पताल ले जाये डाक्टर की सलाह लेकर इलाज करायें।

10 पेटी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना ठेमी पुलिस द्वारा 10 पेटी अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बीती रात जुर्म जरायम अपराध पतारसी व पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस टीम को मुखविर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मुशरान पिपरिया-कंधरापुर रोड के पास से बडी मात्रा का अवैध शराब का परिवहन कर रहा है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को हिरासत में लिया जाकर उनके पास से भारी मात्रा में देशी शराब जप्त की गयी है। आरोपी शिवदयाल लोधी पिता कोमल सिंह लोधी निवासी ग्राम बौछार, थाना ठेमी के पास से 10 पेटी देशी शराब एवं एक ईको स्पोर्टस कार जप्त, जप्त मशरूका की कीमत लगभग 6 लाख रूपये जब्त की गई। आरोपी के विरूद्ध धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

11.28 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र स्टेशनगंज पुलिस द्वारा 11.28 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि चौकी सिंहपुर, थाना स्टेशनगंज पुलिस द्वारा क्षेत्र में भ्रमण एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान नवलगांव-रानीपिपरिया चौराहे के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया, जो पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद हुई। आरोपी को अभिरक्षा में लेने के उपरांत उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसके द्वारा अवैध मादक पदार्थ स्मैक के स्रोत संबंधी जानकारी दी गई। प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए एक अन्य आरोपी नवीन बानगात्री निवासी रोसरा को भी अभिरक्षा में लिया गया है। आरोपी मोहित ठाकुर पिता चंद्रभान ठाकुर, निवासी मगरधा, थाना स्टेशनगंज, नरसिंहपुर एवं नवीन बानगात्री निवासी रोसरा, थाना स्टेशनगंज नरसिंहपुर आरोपियों के पास से 11.28 ग्राम अवैध स्मैक जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 1.3 लाख अनुमानित बताई गई। आरोपियों के विरूद्ध धारा 8, 21 (बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीवद्ध किया गया।

अर्द्धशासकीय पत्र की हो रही अवहेलना

स्कूल शिक्षा मंत्री के गृह जिले मे नहीं हो रहा आदेशों का पालन

डाइट प्राचार्य पद को लेकर संचालक राशिकें ने किया पत्र जारी

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। सरकार स्कूल शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी आदेशों का पालन ना करते हुए सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने का कार्य करते है। ऐसा ही मामला जिसे से सामने आया जिसे लेकर संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को अर्द्ध शासकीय पत्र जारी कर कार्रवाई करने की बात कही गई है। ज्ञात हो कि उक्त पत्र डाइट प्राचार्य पद को लेकर जारी किया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री के गृह जिले में संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल को अर्द्धशासकीय पत्र जारी करना पड़ रहा है इससे प्रशासनिक अधिकारी की कार्यप्रणाली को समझा जा सकता है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जावेगी। मुख्य रूप से अर्द्ध शासकीय पत्र किसी भी कार्य के लिए जारी किए जाता है या फिर अधिकारी द्वारा आदेशों की अवहेलना करने तथा गोपनीय कार्य के लिए जारी किया जाता है।

अर्द्ध शासकीय पत्र की अवहेलना

स्कूल शिक्षा मंत्री के गृह जिले में जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के प्रभारी प्राचार्य का उत्तरदायित्व सौंपने का विषय अब प्रशासनिक हल्के से निकलकर सार्वजनिक चर्चाओं में सरगर्म हो चुका है। वर्तमान में डाइट प्रभारी प्राचार्य के रूप में राजीव किशोर श्रीवास्तव कार्यरत हैं, जबकि संस्था के नियमों और कैडर की वरिष्ठता को लेकर डॉ. अल्का शर्मा द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र को एक पत्र भेजा गया था। इस गंभीर विषय पर संज्ञान लेते हुए राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा बीती 15 मई 2026 को जिला पंचायत प्रशासन को कड़े निर्देश जारी किए गए थे। इसके तहत वरिष्ठता के आधार पर

तत्काल कार्यवाही करने की बात कही गई थी। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि राज्य स्तर से इतनी स्पष्टता के साथ आदेश आने के बाद भी जिला पंचायत स्तर पर फाइल आगे नहीं बढ़ सकी है, जिसने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर कई तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। विचारणीय है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के अर्द्धशासकीय पत्र की अवहेलना क्या की जा रही है।

ये रहा अर्द्ध शासकीय पत्र

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल हरजिंदर सिंह द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर को अत्यंत महत्वपूर्ण आदेश क्रमांक /राशिके / शि.शि. स्थापना / 2026 / 1117 जारी किया गया था । इस आधिकारिक अर्द्ध शासकीय पत्र में डाइट नरसिंहपुर में कार्यरत डॉ. अल्का शर्मा द्वारा दिनांक 30.04.2026 को दिए गए आवेदन का स्पष्ट संदर्भ दिया गया था। पत्र में जिला पंचायत प्रशासन को निर्देशित किया गया था कि वरिष्ठता के सर्वमान्य सिद्धांतों के आधार पर डाइट नरसिंहपुर में ही कार्यरत लोक सेवक को प्रभारी प्राचार्य का उत्तरदायित्व सौंपने की नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इतना ही नहीं, राज्य शिक्षा केंद्र ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए की गई कृत कार्यवाही की रिपोर्ट भी तत्काल वापस मांगी थी। परंतु, हफ्तों बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कदम न उठाया जाना प्रशासनिक शिथिलता की ओर इशारा करता है। विचारणीय यह कि संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा अर्द्ध शासकीय पत्र लिखना पड़ा इससे प्रतीत होता है कि जिम्मेदार अधिकारी द्वारा पूर्व में दिए गए आदेशों पर कोई ठोस कार्रवाई नही की गई है। क्योंकि अर्द्ध शासकीय पत्र विशेष परिस्थिति वश जारी किया जाता है। जिसका अर्थ होता है कि मामले पर गंभीरता पूर्वक कार्रवाई की जावे।

नियमावली का हवाला और प्रशासनिक मौन

इस पूरे मामले में सचिव, प्रारंभिक शिक्षा म.प्र. शासन एवं संचालक, म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एस.सी.ई.आर.टी.) भोपाल अमिता शर्मा द्वारा जारी किए गए वर्ष 2001 के एक अत्यंत महत्वपूर्ण अर्धशासकीय पत्र क्रमांक 122 दिनांक 17.02.2001 के बिंदु क्रमांक 02 का विशेष हवाला दिया गया है । इस नियम के अनुसार डाइटस के प्राचार्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के प्रशासकीय नियंत्रण में कार्य करेंगे। नियम यह भी कहते हैं कि जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) जिले के अकादमिक और शैक्षणिक कार्यों का संपादन करने वाली सर्वोच्च संस्था है। इसके बावजूद, जब संस्था के भीतर ही कैडर और वरिष्ठता को लेकर असंतोष पनप रहा हो, तो जिले की पूरी प्रशिक्षण व्यवस्था पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक है। शिक्षा मंत्री के अपने ही गृह जिले में जब राज्य स्तर से जारी किए गए दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन ठंडे बस्ते में चला जाए, तो कयासों का बाजार गर्म होना तय है। फिलहाल, जिला पंचायत स्तर पर इस लंबित फाइल और प्रशासनिक गतिरोध के पीछे की वास्तविक वजह क्या है, इस पर स्कूल शिक्षा विभाग या जिला प्रशासन के किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने अपनी जुबान नहीं खोली है।

विशाल कलश शोभायात्रा के साथ ग्राम भंडरी में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

परमात्मा की भक्ति, धर्म और कर्तव्य पालन का दिया संदेश, 30 मई तक चलेगा आयोजन

गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम भंडरी में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ रविवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में जय श्रीराम, जय श्रीकृष्ण और हरि नाम संकीर्तन की गूंज सुनाई दी, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

कथा प्रारंभ होने से पूर्व भव्य शोभायात्रा गोटेगांव बाईपास से प्रारंभ हुई, जो नगर देवता ठाकुर बाबा मंदिर होते हुए भंडरी चौराहा पहुंची। शोभायात्रा में सुसज्जित रथ पर विराजमान कथा व्यास का श्रद्धालुओं ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा, तिलक एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और भक्ति संगीत के बीच निकली इस यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती हुई चल रही थीं।

इसके पश्चात शोभायात्रा ग्राम के खेड़ापति मंदिर प्रांगण पहुंची, जहां विधिवत पूजन-अर्चन एवं देव वंदना संपन्न हुई। गांव के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए शोभायात्रा कथा स्थल पहुंची, जहां कन्या पूजन एवं ब्राह्मण पूजन के साथ श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हुआ।

प्रथम दिवस कथा व्यास महाराज श्री ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक ग्रंथ

नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ज्ञान है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन के अनेक कष्ट दूर होते हैं तथा उसे आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति होती है।

महाराज श्री ने अपने प्रवचन में धर्म और कर्तव्य पालन का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म, संस्कृति और संस्कारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म सर्वसमावेशी और विश्व कल्याण की भावना रखने वाला धर्म है, जो सभी प्राणियों के प्रति प्रेम, करुणा और सद्भाव का संदेश देता है। व्यक्ति को कभी भी अपने धार्मिक मूल्यों और कर्तव्यों से विचलित नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भगवान की दृष्टि में सभी भक्त समान हैं। ईश्वर के दरबार में न कोई बड़ा होता है और न छोटा, न अमीर और न गरीब। सभी को समान भाव से भगवान का स्मरण और दर्शन करने का अधिकार है। धार्मिक स्थलों और आध्यात्मिक आयोजनों में समानता और सेवा की भावना को सर्वोच्च स्थान दिया जाना चाहिए।

कथा व्यास ने ग्राम भंडरी को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि पुरुषोत्तम मास जैसे अत्यंत पुण्यदायी और भगवान श्रीहरि को समर्पित माह में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होना क्षेत्रवासियों के लिए विशेष कृपा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह केवल आयोजन समिति के प्रयासों का परिणाम नहीं, बल्कि पूर्वजों के पुण्य, संतों के आशीर्वाद और भगवान की अनुकंपा का प्रतिफल है कि गांव को इस पावन अवसर पर कथा श्रवण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर कथा के मुख्य यजमान चौधरी यशवंत सिंह ने कथा व्यास महाराज श्री का तिलक, पुष्पमाला एवं शाल भेंट कर सम्मान किया तथा मंचासीन संतों एवं गुरुजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजन समिति भंडरी, मनकवारा एवं भाड़ी के सदस्यों ने समस्त श्रद्धालुओं से प्रतिदिन कथा में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। कथा प्रवचन प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। यह धार्मिक आयोजन 30 मई तक चलेगा, जबकि समापन अवसर पर विशाल महाप्रसादी एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं में कथा को लेकर विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय का भवन जर्जर

शौचालयों में गंदगी, पेयजल व्यवस्था नहीं, विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा असर

गोटेगांव। नगर के शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय की अव्यवस्थित व्यवस्थाओं और जर्जर हो चुके भवन को लेकर विद्यार्थियों में लगातार असंतोष बढ़ता जा रहा है। महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाओं के अभाव और रखरखाव में बरती जा रही लापरवाही के कारण छात्र-छात्राओं को रोजाना अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कॉलेज की वर्तमान स्थिति न केवल शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए भी चिंता का विषय बन गई है।जानकारी के अनुसार महाविद्यालय भवन की कई दीवारों का प्लास्टर उखड़ने लगा है, जबकि कुछ स्थानों पर छत से सीमेंट और प्लास्टर के टुकड़े गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों में किसी अप्रिय हादसे की आशंका बनी रहती है। विद्यार्थियों का कहना है कि कक्षाओं में बैठकर अध्ययन करने के दौरान भी उन्हें भवन की जर्जर स्थिति को लेकर डर बना रहता है।महाविद्यालय परिसर में बने शौचालयों की स्थिति भी अत्यंत खराब बताई जा रही है। नियमित साफ-सफाई नहीं होने से शौचालयों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे दुर्गंध फैलती है और संक्रमण का खतरा बना रहता है। विशेष रूप से छात्राओं को इससे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि स्वच्छता की कमी के कारण उन्हें असुविधा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।भीषण गर्मी के इस दौर में पेयजल व्यवस्था का अभाव विद्यार्थियों की मुश्किलों को और बढ़ा रहा है। कॉलेज में पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण

छात्र-छात्राओं को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। कई विद्यार्थियों को घर से पानी लेकर आना पड़ता है, जबकि दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह अतिरिक्त परेशानी का कारण बन रहा है।

इसके अलावा विद्यार्थियों ने शैक्षणिक व्यवस्था को लेकर भी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि महाविद्यालय का अधिकांश स्टाफ जबलपुर से प्रतिदिन आवागमन करता है, जिसके चलते कई बार शिक्षक समय पर नहीं पहुंच पाते। इससे कक्षाएं प्रभावित होती हैं और पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं हो पाता। विद्यार्थियों का आरोप है कि शिक्षकों और छात्रों के बीच नियमित संवाद की कमी के कारण शैक्षणिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है।स्थानीय नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से महाविद्यालय की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की है। उनका कहना है कि भवन की मरम्मत, स्वच्छता व्यवस्था में सुधार, पेयजल की समुचित व्यवस्था तथा शैक्षणिक गतिविधियों को नियमित बनाने के लिए शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

सड़क पर लिखा 'भाजपा का पागल विकास', कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

जनप्रतिनिधियों पर लगाए गंभीर आरोप

गोटेगांव। नरसिंहपुर मार्ग स्थित सुरवारी चौराहे पर जिला पंचायत सदस्य अरविंद पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क की बदहाली के विरोध में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने फेबिकोल और चुने के मिश्रण से सड़क पर 'भाजपा का पागल विकास' लिखकर विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि खराब सड़क के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि और शासन-प्रशासन समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि शीघ्र सुधार कार्य नहीं होने पर जिला स्तरीय आंदोलन किया जाएगा।

जैन आर्यिका माताजी की दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जाँच की माँग

तेंदूखेड़ा। दिगम्बर जैन समाज ने गहरी वेदना के साथ हाल ही में बिहाररत पूज्य आर्यिका माताजी के साथ हुई अत्यन्त दुःखद घटना की द्रवित मन से घटना की घोर निन्दा करते हुए तेंदूखेड़ा तहसील कार्यालय में पहुंच कर देश के प्रधानमंत्री गृहमंत्री के नाम एक ज्ञापन नायब तहसीलदार तेंदूखेड़ा को सौंपा है। जिसमें उल्लेख किया है कि संघ की पूज्य 2 आर्यिकाओं का असामयिक निधन हो गया। यह घटना केवल एक सामान्य सड़क दुर्घटना प्रतीत नहीं होती। यह जान बूझकर की गई हत्या है। उपलब्ध तथ्यों वीडियो क्लिपों एवं परिस्थितियों के आधार पर समाज में गहरी आशंका एवं चिंता का वातावरण निर्मित हुआ हैं। इस सम्पूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष पारदर्शी एवं उच्च स्तरीय जाँच अत्यन्त आवश्यक हैं। जैन साधु-संत पूर्णतः निहत्थे अहिंसक एवं पैदल बिहार करने वाले तपस्वी होते हैं। वे किसी प्रकार की सुरक्षा या भौतिक सुविधाओं का उपयोग नहीं करते तथा समाज में शांति संयम करुणा और अहिंसा का संदेश प्रसारित करते हैं। ऐसे संतों के साथ निरंतर बढ़ती दुर्घटनाएँ एवं हमले सम्पूर्ण समाज के लिए अत्यन्त चिंताजनक विषय हैं। घटना की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जाँच की जाए।

दोषियों पर कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाए। यदि सुनियोजित कृत्य अथवा षड्यंत्र के तथ्य प्राप्त हों तो तदनुसार कठोर धाराएँ लगाई जाएँ।संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तत्काल लागू किया जाए बिहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग ट्रैफिक नियंत्रण चेतावनी संकेतक हाईवे एवं भीड़ भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संतों के विरुद्ध अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखा जाए क्योंकि साधु-संत आत्मरक्षा नहीं करते वाहन अथवा सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते तथा पूर्णतः अहिंसक जीवन व्यतीत करते हैं।राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति' बनाई जाए। जैन समाज सदैव शांति अहिंसा कानून एवं संवैधानिक मर्यादाओं में विश्वास रखता हैं। हमारा उद्देश्य किसी प्रकार का तनाव उत्पन्न करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना एवं तपस्वी संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हैं। हमें पूर्ण विश्वास हैं कि प्रशासन इस अत्यन्त संवेदनशील विषय को गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कदम उठाएगा।

डोभी जैन समाज ने पैदल मौन जुलूस निकाला बांधी काली पट्टी

इस घटना को लेकर संपूर्ण दिगम्बर जैन समाज के साथ साथ सनातन धर्म संस्कृति से जुड़े वैदिक विद्वान पंडितों ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है। तथा समीपी डोभी ग्राम की दिगम्बर जैन समाज ने चिलचिलाती धूप में मौन जुलूस निकाला काली पट्टी बांधी तथा उद्घोषक पट्टियों के माध्यम से अपनी बात रखी और तेंदूखेड़ा पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें तेंदूखेड़ा डोभी सहित आस पास की सकल जैन समाज उपस्थित थी।

विशाल कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा आयोजन

तेंदूखेड़ा। पुरुषोत्तम मास के दौरान तेंदूखेड़ा क्षेत्र में विविध धार्मिक आयोजन चल रहे हैं।इसी श्रंखला के चलते एवं श्री राधाकृष्ण सरकार एवं मां हरसिद्धि पूज्य गुरुदेव भगवान की कृपा से श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ कथा सप्ताह का मंगलमय आयोजन विगत दिवस विशाल कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ।24 से 30 मई तक चलने वाले इस ज्ञान यज्ञ सप्ताह में अपराह्न 4 बजे से शाम 07 बजे तक क्षेत्र के प्रख्यात कथा वाचक पं कृष्णकांत शास्त्री के मुखारविंद से किया जायेगा।प्रथम दिवस कथा व्यास ने श्रीमद्भागवत कथा का महत्व कलयुग में मोक्षदायिनी सहित विभिन्न विंदुओं पर विस्तार से चर्चा की।आयोजक श्रीमती जयंती जगदीश ठाकुर अशोक ठाकुर बड्डे नरेंद्र ठाकुर राजेश ठाकुर ने क्षेत्र के सभी श्रोता श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।